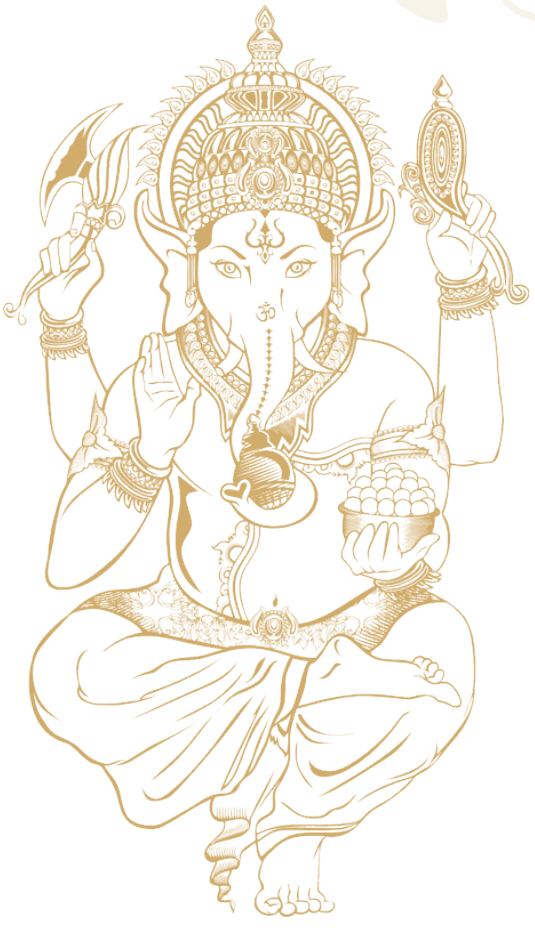

Mr.

19 Feb 1987

05:30 AM

Hapur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120345202

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
18-19/02/1987	जन्म तिथि	**18/02/2025**
बुध-गुरुवार	दिन	मंगलवार
घंटे 05:30:00	जन्म समय	23:26:07 घंटे
घटी 56:26:00	जन्म समय(घटी)	41:18:04 घटी
India	देश	India
Hapur	स्थान	Hapur
उत्तर 28:43:00	अक्षांश	28:43:00 उत्तर
पूर्व 77:47:00	रेखांश	77:47:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:52	स्थानिक संस्कार	-00:18:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:55:36	सूर्योदय	06:54:53
18:11:11	सूर्यास्त	18:11:03
23:40:35	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:31

मकर	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
तुला	राशि	तुला
शुक्र	राशि-स्वामी	शुक्र
चित्रा	नक्षत्र	स्वाति
मंगल	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	3
गण्ड	योग	वृद्धि
गर	करण	वणिज
री-रीतेश	जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
कुम्भ	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मृग
38	गत/तत्कालिक वर्ष	39

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	4	09:00:30	मक			लग्न			तुला	15:39:09	3	स्वाति
धनिष्ठा	4	06:07:14	कुंभ			सूर्य			कुंभ	06:07:14	4	धनिष्ठा
चित्रा	4	06:17:01	तुला			चंद्र			तुला	14:27:54	3	स्वाति
अश्विनी	2	05:12:35	मेष			मंगल	व		मिथु	22:59:12	1	पुनर्वसु
पू०भाद्रपद	1	20:48:58	कुंभ	व		बुध		अ	कुंभ	13:37:35	3	शतभिषा
उ०भाद्रपद	1	03:34:51	मीन			गुरु			वृष	17:24:53	3	रोहिणी
पूर्वाषाढ़ा	3	22:01:15	धनु			शुक्र			मीन	14:14:29	4	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	3	26:10:06	वृश्चि			शनि			कुंभ	25:14:31	2	पू०भाद्रपद
रेवती	1	18:30:15	मीन			राहु			मीन	03:26:26	1	उ०भाद्रपद
हस्त	3	18:30:15	कन्या			केतु			कन्या	03:26:26	3	उ०फाल्गुनी
मूल	1	02:19:14	धनु			मु			मीन	09:00:30	2	उ०भाद्रपद

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:31

लग्न-चलित

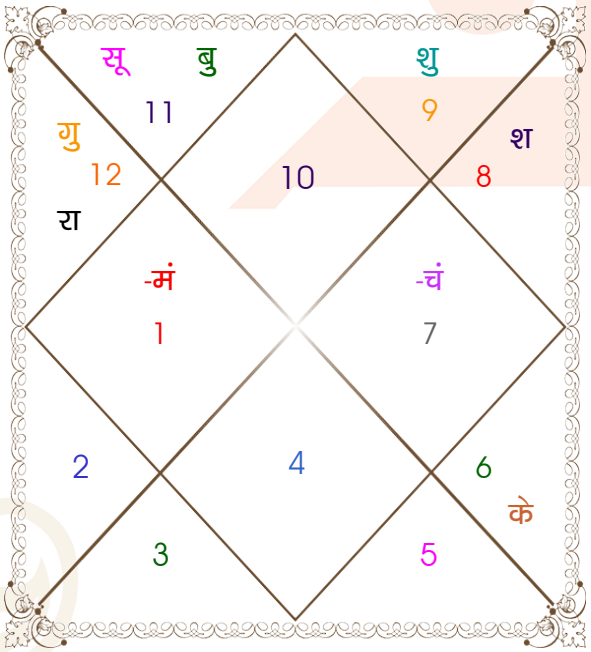

वर्ष लग्न कुंडली

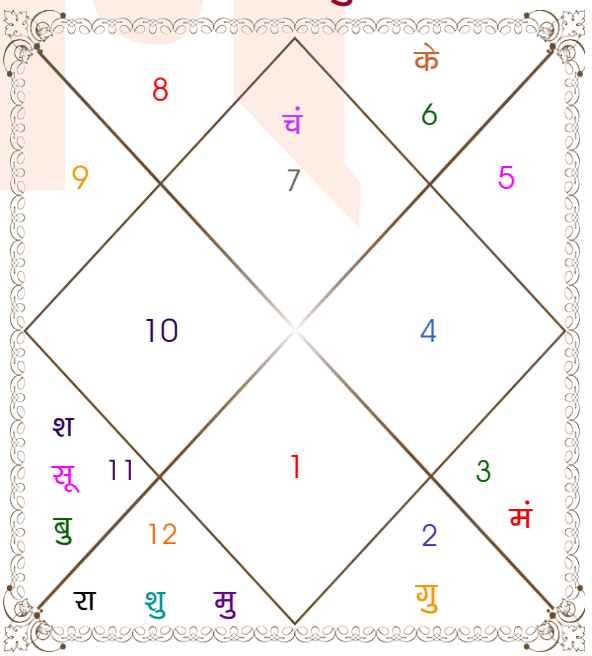

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - राहु	
05/11/2025 21:50	
02/04/2026 09:06	
राहु	28/11/2025 00:43
गुरु	17/12/2025 16:37
शनि	10/01/2026 01:00
बुध	30/01/2026 22:24
केतु	08/02/2026 12:52
शुक्र	05/03/2026 02:44
सूर्य	12/03/2026 11:42
चंद्र	24/03/2026 18:39
मंगल	02/04/2026 09:06

शनि - बुध - गुरु	
02/04/2026 09:06	
11/08/2026 11:07	
गुरु	19/04/2026 20:34
शनि	10/05/2026 14:41
बुध	29/05/2026 04:23
केतु	05/06/2026 19:54
शुक्र	27/06/2026 16:14
सूर्य	04/07/2026 05:32
चंद्र	15/07/2026 03:42
मंगल	22/07/2026 19:13
राहु	11/08/2026 11:07

शनि - बुध - शनि	
11/08/2026 11:07	
14/01/2027 03:01	
शनि	05/09/2026 02:38
बुध	27/09/2026 03:53
केतु	06/10/2026 05:49
शुक्र	01/11/2026 04:28
सूर्य	08/11/2026 23:16
चंद्र	21/11/2026 22:35
मंगल	01/12/2026 00:31
राहु	24/12/2026 08:54
गुरु	14/01/2027 03:01

शनि - केतु - केतु	
14/01/2027 03:01	
06/02/2027 17:46	
केतु	15/01/2027 12:05
शुक्र	19/01/2027 10:32
सूर्य	20/01/2027 14:53
चंद्र	22/01/2027 14:06
मंगल	23/01/2027 23:10
राहु	27/01/2027 12:11
गुरु	30/01/2027 15:45
शनि	03/02/2027 09:29
बुध	06/02/2027 17:46

शनि - केतु - शुक्र	
06/02/2027 17:46	
15/04/2027 05:02	
शुक्र	17/02/2027 23:39
सूर्य	21/02/2027 08:37
चंद्र	26/02/2027 23:33
मंगल	02/03/2027 22:00
राहु	13/03/2027 00:54
गुरु	22/03/2027 00:48
शनि	01/04/2027 17:11
बुध	11/04/2027 06:35
केतु	15/04/2027 05:02

शनि - केतु - सूर्य	
15/04/2027 05:02	
05/05/2027 10:49	
सूर्य	16/04/2027 05:20
चंद्र	17/04/2027 21:49
मंगल	19/04/2027 02:09
राहु	22/04/2027 03:01
गुरु	24/04/2027 19:47
शनि	28/04/2027 00:42
बुध	30/04/2027 21:31
केतु	02/05/2027 01:52
शुक्र	05/05/2027 10:49

शनि - केतु - चंद्र	
05/05/2027 10:49	
08/06/2027 04:28	
चंद्र	08/05/2027 06:18
मंगल	10/05/2027 05:31
राहु	15/05/2027 06:58
गुरु	19/05/2027 18:55
शनि	25/05/2027 03:07
बुध	29/05/2027 21:49
केतु	31/05/2027 21:02
शुक्र	06/06/2027 11:59
सूर्य	08/06/2027 04:28

शनि - केतु - मंगल	
08/06/2027 04:28	
01/07/2027 19:12	
मंगल	09/06/2027 13:31
राहु	13/06/2027 02:32
गुरु	16/06/2027 06:06
शनि	19/06/2027 23:50
बुध	23/06/2027 08:07
केतु	24/06/2027 17:11
शुक्र	28/06/2027 15:38
सूर्य	29/06/2027 19:59
चंद्र	01/07/2027 19:12

शनि - केतु - राहु	
01/07/2027 19:12	
31/08/2027 12:33	
राहु	10/07/2027 21:49
गुरु	19/07/2027 00:07
शनि	28/07/2027 14:52
बुध	06/08/2027 05:20
केतु	09/08/2027 18:20
शुक्र	19/08/2027 21:14
सूर्य	22/08/2027 22:06
चंद्र	27/08/2027 23:33
मंगल	31/08/2027 12:33

शनि - केतु - गुरु	
31/08/2027 12:33	
24/10/2027 11:59	
गुरु	07/09/2027 17:17
शनि	16/09/2027 06:23
बुध	23/09/2027 21:54
केतु	27/09/2027 01:28
शुक्र	06/10/2027 01:22
सूर्य	08/10/2027 18:09
चंद्र	13/10/2027 06:06
मंगल	16/10/2027 09:40
राहु	24/10/2027 11:59

शनि - केतु - शनि	
24/10/2027 11:59	
27/12/2027 14:17	
शनि	03/11/2027 15:32
बुध	12/11/2027 17:28
केतु	16/11/2027 11:12
शुक्र	27/11/2027 03:35
सूर्य	30/11/2027 08:30
चंद्र	05/12/2027 16:42
मंगल	09/12/2027 10:26
राहु	19/12/2027 01:11
गुरु	27/12/2027 14:17

शनि - केतु - बुध	
27/12/2027 14:17	
22/02/2028 22:40	
बुध	04/01/2028 17:16
केतु	08/01/2028 01:34
शुक्र	17/01/2028 14:58
सूर्य	20/01/2028 11:47
चंद्र	25/01/2028 06:29
मंगल	28/01/2028 14:46
राहु	06/02/2028 05:13
गुरु	13/02/2028 20:45
शनि	22/02/2028 22:40

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा समय समय पर वातजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य रहेगी तथा यदा कदा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति इस समय मध्यम रहेगी तथा समय समय पर परिवार में कलह तथा मतभेद रहेगा साथ ही पारिवारिक जनों से आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा लोग आपका यथोचित सम्मान नहीं करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपकी अरूचि तथा उपेक्षा बनी रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को भी अल्प मात्रा में ही सम्पन्न करेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको सामान्य सुख प्राप्त होगा परन्तु निम्न श्रेणी की स्त्रियों से आपको हानि हो सकती है अतः इनसे सम्पर्क न रखें। साथ ही सेवक वर्ग का सुख भी आप मध्यम ही प्राप्त करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा इसमें अनावश्यक समस्याएं होगी। साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में नवीन कार्यो को प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में भी इस समय उन्नति मार्ग में बाधाएं आएंगी तथा आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता प्रसन्न नहीं रहेंगे अतः ऐसे समय में आपको उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय अच्छी नहीं रहेगी परन्तु बहिनों या भाईयों के द्वारा किंचित लाभ अर्जित हो सकता है। साथ ही अन्यत्र भी लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त निम्न वर्ग के लोगों से हानि होगी अतः इनसे सतर्क रहें। इस प्रकार परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको शुभ फलों की प्राप्ति हो सकेगी ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से अस्वस्थ तथा परेशान रहेंगे फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी जिससे शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको असुविधा रहेगी। साथ ही आपको कई बार अपने ही कार्यो से हानि भी हो सकती है जिससे आपको बाद में पछतावा होगा। इस समय मित्र एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे तनाव तथा कलह का वातावरण रहेगा फलतः उनसे आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। इस वर्ष में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफल होंगे परन्तु यह सफलता भी आंशिक रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा चिन्तित रहेंगे।

इस समय आपके शत्रु भी अधिक मात्रा में उत्पन्न होंगे तथा उनसे आप अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान प्राप्त करेंगे। साथ ही घर में किसी प्रकार की चोरी आदि की भी संभावना रहेगी ।अतः ऐसे समय में आपको सावधान रहना चाहिए। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपका व्यय भी अधिक होगा तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान रहेगा एवं विगत रूके हुए कार्यो में भी असफलता मिलेगी । इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी अधिक होंगी फलतः अन्य जनों से विवाद होता रहेगा। अतः इस वर्ष को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें।